निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व "भारत हैवी इलैक्ट्रीकलस लिमिटेड रिपोर्ट 2016–17 के संदर्भ में"

*संजय कुमार

शोध सारांश

अंतरर्राट्रीय निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व के दिशा निर्देश के अभाव में कई निगमों में आज तक सामाजिक उत्तरदायित्व की कई नियामक कमियों को प्रदर्शित करती है। अभी तक कई अंतरर्राट्रीय निगमों द्वारा पर्यावरण की हानि की कई शिकायतें है। गैर सरकारी संगठन मानवाधिकार की अवमाननों के लिए कम्पनियों को अपमानित कर रहे है।

2011 में, संयुक्त राष्ट्र ने अपनी "व्यवसाय तथा मानवीय अधिकार पर निर्देशक सिद्वांत" पर रिपॉर्ट प्रकाशित की है। इसके आधार पर कई निगमों को मानवीय अधिकारों की अवहेलना के लिए चुनौती दी गई। यद्यपि अभी तक इन सिद्वान्तो को लागू करने के लिए कोई प्रणाली अस्तित्व में नही है। विश्व के सर्वाधिक व्यवसाय एवं मानवीय अधिकारों की सभा ने यह दबाव दिया कि निगम उन सभी प्रमापों का पालन कानूनी रूप से करें जो कि उनके अपने देशों में लागू है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा उत्साहित करने वाला निर्देश निगमों के लिये निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व सहायक अस्त्र हो सकता है। कुछ निगम इसे विपणन तथा पुनः ब्राडिंग साधन के रूप में लेते है।

स्वतंत्रता के पश्चात भारत जब औद्योगिकरण की ओर अग्रसित था। सरकार ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने के लिये सार्वजनिक क्षेत्रों का चयन किया। इस उद्देश्य से भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड की स्थापना 1956 में भोपाल में की गई। इसकी स्थापना का उद्देश्य औद्योगिक उत्पादों एवं शक्ति संसाधनों में आत्मनिर्भरता स्थापित करना था। इसके पश्चात तीन प्लांट्स तिरूची, हैदराबाद एवं हरिद्वार में स्थापित हुये भेल ने 30 वृहत संसाधन समूह के अन्तर्गत 180 उत्पादों का उत्पादन करती है। इसमें शक्ति उत्पादन व वितरण, उद्योग, ट्रासंपोरटेशन, दूर संचार, नवकरणीय ऊर्जा आदि का उत्पादन किया जाता है। यह अपने उत्पादों की उच्च गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता के लिये डिजाइन पर जोर, वैश्विक मानकों तथा विश्व की सर्वोत्तम तकनीकों का प्रयोग करती है।

भैल कम्पनी मानव पर्यावरण, ग्राहकों के प्रति नैतिक प्रमाप निर्धारित कर सामाजिक उत्तरदायित्व निर्वाह के लिये अपने उत्पाद, तकनीक, तथा अपनी सेवाओं को उत्तम करने का प्रयास करती है।

इसके लिये कम्पनी जल संरक्षण, पौधारोपण, तकनीकी परिर्वतन, ठोस अवशिष्ट का उपयोग एवं पुनरावृत्ति, चिकनाई वाले पदार्थो का पुनः उपयोग एवं जमे पदार्थो के उपयोग में कटौती, ऊर्जा संरक्षण, उत्पादनकारी क्रियाओं में प्रदूषण नियंत्रण कर उत्तरदायित्व का निर्वाह करती है।

कम्पनी शिक्षा, कुशलता कार्यक्रम, स्वास्थ्य, महिला विकास, नवकरणीय ऊर्जा स्रोत, स्वच्छ जल व्यवस्था, एवं सामुदायिक विकास में योगदान देती हैं।

उक्त रिपोर्ट UNFCCC, WRI, WBC, WBCSD, GHG, CEA पर आधारित है। कम्पनी वर्तमान में 82 देशो में कार्यरत है। उत्पादन क्षेत्र के समीप कम्पनी शिक्षा, संरचनात्मक विकास, उत्तम कार्यदशाएं, स्वच्छ गांव जैसी योजनाओं पर 26.78 करोड रूपये का व्यय कर चुकी है।

पर्यावरण के संदर्भ में धातु एवं तांबा अवशिष्ट की पुनर्चक्रण/पुर्नउपयोग कर प्राकृतिक संसाधनों का बचाव एवं प्रदूषण नियंत्रण किया है। कम्पनी सामग्री पुर्नउपयोग एवं पुनर्चक्रण 3–5% तक करती है।

Cost of Component and materials consumed as % of Gross Turn over

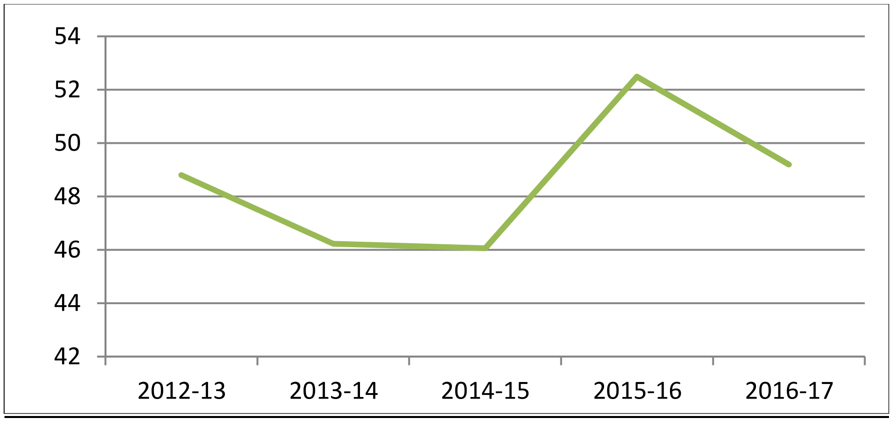

भारत का विश्व में मूल ऊर्जा स्रोत उपयोग में तीसरा स्थान है। यह कम्पनी डीजल, सुपर कैरोसीन, कोयला, लिक्वीफाइड प्राकृतिक पैट्रोलियम गैस, रिगैसीफाइड लिक्वीफाइड प्राकृतिक गैस (RLNG) डिजोल्वड एक्टालीन फरनास ऑयल (FO) के उपयोग करती है। भैल स्वच्छ ईंधन की दृष्टि से रिगैसीफाइड लिक्वीफाइड प्राकृतिक गैस (RLNG) का उपयोग HEEP हरिद्वार, CFFP हरिद्वार, IP जगदीशपुर एवं EPD बैंगलूर तथा LPG का HPEP हैदराबाद एवं Trichy इकाई में बढाया है।

मूल ऊर्जा स्रोत के बचाव के लिए कम्पनी ऊर्जा संरक्षण परियोजना ENCON के अर्न्तगत 64 योजनाएं संचालित की गई है। इन योजनाओं से 14.13 मिलियन यूनिट ऊर्जा की बचत दर्ज की गई। जिससे कोयला, एलपीजी (LPG) व FO उपयोग में कमी आई है। हरित ऊर्जा युग में ऊर्जा स्रोत व प्राकृतिक संसाधनों को बचाने की दृष्टि से सोलर ऊर्जा का विकास किया।

Energy usages avoided (in TJ) across BHEL unit in Last 4 Year's due to Energy Efficiency/conservation efforts:-

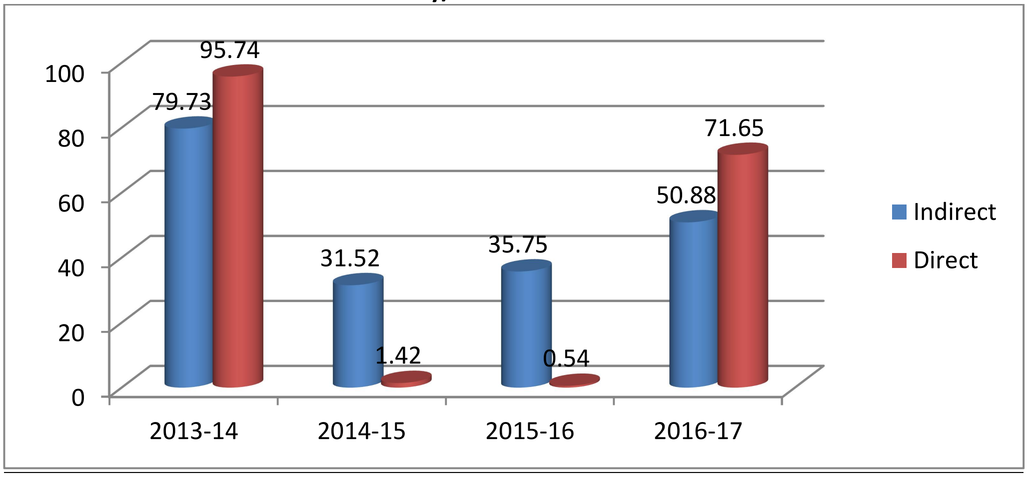

List of Major Solar installation across BHEL premise

S.N.	Unit	Capacity	Description
1.	R & D, Hyderabad	250 KWp	Ground based SPV System
2.	R & D, Hyderabad	13.5 KWP+13.7KWp	Rooftop Solar System
3.	HEP, Bhopal	250 KWp	Ground based SPV System
4.	ESD & END Bengaluru	87 KWp	Rooftop Solar System
5.	HPEP, Hyderabad	1.5KWp	Mega Walt scale SPV System
6.	HPBP & SSTP, Trichy	20KWp+50KWp+50KWp	Rooftop Solar System
7.	HPBP & SSTP, Trichy	--	Miscellaneous solar systems like 4000 LPD & 3000 LPD solar water Heating (SWN) system, LED start heights etc.
8.	HPBP & SSTP, Trichy	5 MWp	Mega Walt scale SPV System
9.	BAP Ranipet	5 MWp	Grid interaction SPV plant of Mega Walt Scale
10.	HEEP, Haridwar	25KWp	Rooftop Solar System

राष्ट्रीय जल नीति 2012 के अनुसार कम्पनी सत्तह जल, भूमिगत जल, वर्षा का जल बेकार पानी तथा नगर पालिका जल स्रोत का उपयोग करती है।

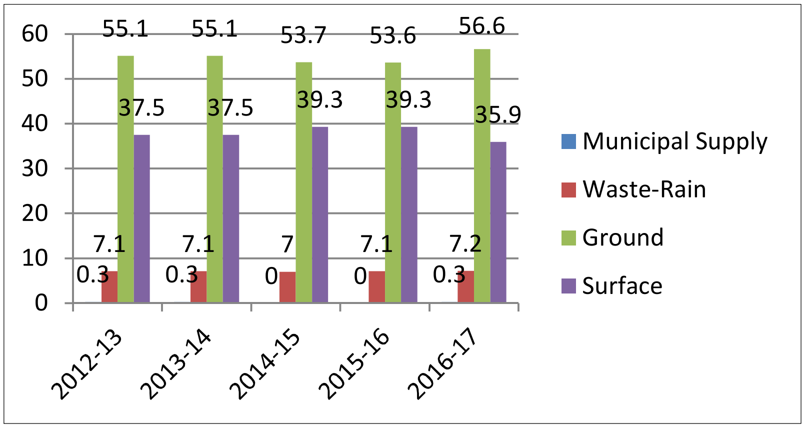

(Water Chart)

सभी आंकडे प्रतिशत में है।

अवशिष्ट प्रबंध के सबंध में भैल का योगदान सराहनीय है:–

1. HEP- भोपाल इकाई
2. HEEP - हरिद्वार इकाई
3. BHEL - त्रिची
4. EDN - बैंगलूर इकाई

इन इकाईयों में विविध क्रियाओं के अर्न्तगत खतरनाक अवशिष्ट में गत पांच वर्षों में 50% की कमी की गई है।

कम्पनी एडवांस अल्ट्रा सुपर क्रिटीकल तकनीक से पावर प्लाटंस में 11% तक कोयला का उपयोग कम करके CO2 को नियंत्रित किया गया है। पर्यावरण सरंक्षण के लिये कम्पनी 967 लाख रूपये का पूँजीगत व्यय किया गया है।

भैल कम्पनी द्वारा सामजिक उत्तरदायित्व निर्वाह में सराहनीय कार्यों में महिला उत्पीडन समिति का गठन, बाल मजदूरी पर नियंत्रण के लिये न्यूनतम आयु–18 वर्ष, कर्मचारी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता, चिकित्सा सुविधाओं का विकास कर्मचारियों में विशेष योग्यजन कर्मचारियों का कार्यरत होना, खतरनाक रसायनों के उपयोग में सुरक्षा की दृष्टि से अवगत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना, औद्योगिक सुरक्षा हेतु एडवांस डिप्लोमा कोर्स नयी गतिविधियों में जोखिम की पहचान, विशेष सुरक्षा मुद्दों पर टूल बॉक्स टॉक, उपकरणों की सामयिक अनुरक्षण एवं परीक्षण, सडक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन, राष्ट्रीय सडक सुरक्षा दिवस, पत्रिका एवं पुस्तकों के माध्यम से अनुभव बांटना आदि विभिन्न क्रियाओं को सम्पन्न करती है।

भैल द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व लेखाकंन में क्षमता निर्माण, समुदाय सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, पिछडे क्षेत्रों का विकास तथा अल्पाधिकार क्षेत्रों का उत्थान करना सम्मिलित है। यह कार्य विभिन्न NGO, ट्रस्ट, सामाजिक कल्याण समितियाँ, सरकारी एवं गैर सरकारी समितियों द्वारा किया गया। इन विभिन्न क्षेत्रों में कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची–VII का ध्यान रखा गया है।

कम्पनी को वर्ष के दौरान "SKOCH Order-of –Merit" अवार्ड "Holistic approach in Health care Service Sector for good health & wellbeing of Society" के लिये दिया गया। पिछडे क्षेत्रों में उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं के लिये "Help age India" के माध्यम से पहचान कायम की है।

स्वच्छ भारत निर्माण में 25 समूह जैविक शौचालय निर्माण व पीने योग्य जल की व्यवस्था हरिद्वार एवं ऋषिकेश में की गई। ठोस अवशिष्ट के संग्रहण एवं परिवहन व्यवस्था में कम्पनी द्वारा वाराणसी नगर निगम एवं DSC रोड–सेक्टर 17, नोएडा में निर्माण, रजनीगंधा चौक में सार्वजनिक शौचालय निर्माण को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

कम्पनी द्वारा 30 सकूलों का निर्माण, विद्युत सुविधा, 108 सरकारी स्कूलों को मेज–कुर्सी, सोलर रोड लाइट सुविधाऐं प्रदान की गई। महिला शिक्षा के लिये "उद्यान शालिनी" फैलोशिप कार्यक्रमों में BPL 100 छात्राओं को उच्चशिक्षा के लिये वित्तीय सहायता, महाराष्ट्र में सरकारी स्कूलों में 5000 टैबलेट का वितरण एवं BPL परिवारों को FAEA फैलोशिप के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।

कम्पनी द्वारा HELP age India, PHDRDF एवं WOCK HARDT फाउंडेशेन के माध्यम से 10 मोबाइल मेडिकल इकाईयों को वित्तीय सहायता, गंगा प्रेम होसपीस रायवाला, उत्तराखण्ड, को वित्तीय सहायता, एंटी होम्योपौथिक को वित्तीय सहायता एवं 20 चिकित्सा शिवर लगाये गये।

हरित क्रांति के निर्माण में प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों के स्थान पर नवकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग को बढाया गया।

कम्पनी द्वारा कर्नाटक के देवनगरी जिले के 3 गांवो में रोड निर्माण भोपाल देवनाहाली में बैंगलरू में कस्तूरबा नर्सिंग कॉलेज में हॉल का निर्माण, महिला सशक्तिकरण में सिलाई मशीनों का वितरण एवं प्रशिक्षण दिया गया।

जैव विविधता संरक्षण के संदर्भ में कर्मचारियों द्वारा अंतिम कार्य दिवस पर पौधारोपण, भोपाल इकाई द्वारा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम, हरित हरम कार्यक्रम के अर्न्तगत HPEP हैदराबाद में 12000 पौधे लगाये गये।

कार्बन एवं कार्बन तत्वों पर नियंत्रण हेतु NOx, Sox, PM2.5, PM10 को कम कर नवकरणीय ऊर्जा के स्रोतों को बढाया गया है। कम्पनी द्वारा हद–हद चक्रवात से प्रभवित लोगों के लिये 96 मॉडल हाउस का आंध्रप्रदेश में निर्माण किया गया है। उक्त रिपोर्ट निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रमापो को समझने में सहायक सिद्व होती है। यह रिपोर्ट भारत सरकार की पॉलिसी के विभिन्न क्षेत्रों में नियमानुसार विनियोग व व्यय पर अपने दायित्व का निर्वाह करती है।

*व्याख्याता
ए.बी.एस.टी. विभाग,
आर.एल. सहरिया राजकीय स्नाकोत्तर
महाविद्यालय, कालाडेरा, जयपुर

संदर्भ सूची

1. सस्टेनेविलीटी रिपोर्ट 2016–17
2. कम्पनी एक्ट संशोधित 2013
3. वार्षिक रिपोर्ट–भैल
4. लेखांकन सिद्वान्त एवं व्यवहार– जैन खण्डेलवाल पारीक
5. उच्चत्तर लेखांकन–एम. सी. खण्डेलवाल